वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से प्राप्त मॉडल पाठ्यचर्या के आधार पर संशोधित/परिवर्धित एम0ए0–प्रथम वर्ष हिन्दी–विषय का प्रस्तावित पाठ्यक्रम (शैक्षणिक सत्र : 2019–20 से प्रभावी)

एम0ए0 : द्वितीय वर्ष (हिन्दी)

प्रथम प्रश्न–पत्र

आधुनिक काव्य

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन	खण्ड क–	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 50 शब्दों में) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से	(10×2=20)
	खण्ड ख–	लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 200 शब्दों में) तीन व्याख्या तथा दो प्रश्न द्रुत पाठ से	(5×10=50)
	खण्ड ग–	आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो (लगभग 500 शब्दों में)	(2×15=30)

निर्धारित कवि :–

(1) मैथिली शरण गुप्त – नवम सर्ग (साकेत)
(2) जयशंकर प्रसाद – कामायनी का तीन सर्ग
(3) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – दो लम्बी कविता
(4) सुमित्रानन्दन पंत – पाँच कवितायें
(5) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय' – पाँच कवितायें
(6) मुक्तिबोध – पाँच कवितायें

द्रुत पाठ :– महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सुदामा पाण्डेय धूमिल।

सम्पादक –

(1) डॉ0 विनोद कुमार सिंह, प्राचार्य, टी0डी0कॉलेज, जौनपुर।
(2) डॉ0 राकेश सिंह, एसो0प्रो0 एवं अध्यक्ष, राजा हरपाल सिंह पी0जी0कॉलेज, सिंगरामऊ, जौनपुर।

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – आधुनिक हिन्दी–काव्य

30.8.2018 30.8.18 30/08/18

सहायक ग्रन्थ–

1	–	मैथिली शरण गुप्त	– डॉ0 कमला कान्त पाठक
2	–	कामायनी के अध्ययन की समस्यायें	– डॉ0 नगेन्द्र
3	–	कामायनी अनुशीलन	– डॉ0 रामलाल
4	–	क्रान्तिकारी कवि निराला	– डॉ0 बच्चन सिंह
5	–	निराला : आत्महन्ता आस्था	– दूधनाथ सिंह
6	–	छायावाद	– डॉ0 नामवर सिंह
7	–	काव्य का देवता – निराला	– विश्वम्भर मानव
8	–	पंत : काव्य कला और दर्शन	– नीरज सुधा सक्सेना
9	–	महादेवी	– इन्द्रनाथ मदान
10	–	कविता के नये प्रतिमान	– डॉ0 नामवर सिंह
11	–	अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन	– चन्द्रकान्त वांडिवडेकर
12	–	अज्ञेय का कवि कर्म	– रमेश चन्द्रशाह
13	–	प्रसाद निराला अज्ञेय	– राम स्वरूप चतुर्वेदी
14	–	आधुनिक कवि	– विश्वम्भर मानव

द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं लिपि

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन

खण्ड क– अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 50 शब्दों में) **(10×2=20)**

खण्ड ख– लघुत्तरीय प्रश्न–पाँच (अधिकतम 200 शब्दों में) **(5×10=50)**

खण्ड ग– आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो (अधिकतम 500 शब्दों में) **(2×15=30)**

(1) भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषतायें। भाषा एवं बोली में अन्तर।

(2) भाषा विज्ञान के अंग, भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध।

(3) भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक भाषा विज्ञान।

(4) विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण, आकृति मूलक और पारिवारिक वर्गीकरण।

(5) भाषा परिवर्तन के कारण एवं उसकी दिशाएँ।

(6) स्वनिम विज्ञान–स्वन, संस्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद–खण्ड्य एवं खण्डेतर स्वनिम। हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था।

(7) रूपिम संरूप एवं रूप की अवधारणा। रूपिम के भेद–मुक्त एवं आबद्ध रूपिम, हिन्दी की रूप–रचना, उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास।

(8) हिन्दी में कारकीय रूप–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया के कारकीय रूप।

(9) वाक्य की अवधारणा, पदक्रम, पदबन्ध एवं अन्विति। हिन्दी वाक्यों के प्रकार–संरचना एवं अर्थ के आधार।

(10) अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध। पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता।

(11) हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय।

(12) हिन्दी और उसकी बोलियाँ। ब्रजभाषा, अवधी, खड़ी बोली एवं भोजपुरी का परिचय।

(13) हिन्दी के विविध रूप–मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा।

(14) हिन्दी का संवैधानिक स्थिति।

(15) देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास, नामकरण, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष और सुधार के प्रयास, मानकीकरण।

सहायक ग्रन्थ–

1 – भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी

2 – भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

3 – हिन्दी भाषा उद्‌भव और विकास – डॉ0 उदय नारायण तिवारी

4 – हिन्दी भाषा – डॉ0 भोला नाथ तिवारी

5 – हिन्दी भाषा की संरचना – डॉ0 हरदेव बाहरी

6 – भाषा विज्ञान रसायन – डॉ0 कैलाश नाथ पाण्डेय

7 – हिन्दी भाषा की संरचना – डॉ0 सर्वेश पाण्डेय

8 – भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

9 – भाषा विज्ञान के सिद्धान्त – डॉ0 मीरा दीक्षित

10 – हिन्दी भाषा – डॉ0 मीरा दीक्षित

11 – हिन्दी के पूर्वाग्रह – डॉ0 सर्वेश पाण्डेय

तृतीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन

खण्ड क–	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 50 शब्दों में)	(10×2=20)
खण्ड ख–	लघुत्तरीय प्रश्न–पाँच (अधिकतम 200 शब्दों में)	(5×10=50)
खण्ड ग–	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –दो (लगभग 500 शब्दों में)	(2×15=30)

पाठ्य विषय :–

(1) साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन, नामकरण, समय निर्धारण।

(2) आदिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियों एवं साहित्यिक परिचय–सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य एवं लौकिक साहित्य।

(3) भक्तिकाल की परिस्थितियों, पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना, भक्ति का अभ्युदय एवं विकास, निर्गुण काव्य धारा–सन्त एवं सूफी काव्य धारा।

(4) भक्तिकाल–सगुण काव्य धारा–कृष्ण काव्य धारा एवं राम काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ।

(5) रीतिकाल : परिस्थितियाँ, पृष्ठभूमि, नामकरण, काव्य धारायें एवं प्रवृत्तियाँ।

(6) आधुनिक काल–सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नवजागरण काल में हिन्दी गद्य का विकास।

(7) भारतेन्दु काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

(8) द्विवेदी काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

(9) छायावादी काल : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृतियाँ।

(10) प्रगतिवाद प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता और नवगीत, प्रमुख कवि और उनकी रचनायें एवं साहित्यिक विशेषतायें।

(11) हिन्दी गद्य विधाओं का विकास–कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखचित्र, यात्रावृत्त, रिपोतार्ज, इंटरव्यू।

(12) हिन्दी आलोचना का विकास और प्रवृत्तियाँ।

सहायक ग्रन्थ–

1 – हिन्दी साहित्य का इतिहास – राम चन्द्र शुक्ल

2 – हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक नगेन्द्र

3 – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

4 – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

5 – हिन्दी नव लेखन – राम स्वरूप चतुर्वेदी

6 – आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह

7 – आलोचना के सौ बरस – सम्पादक अरविन्द त्रिपाठी

8 – हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

9 – हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – राम कुमार वर्मा

10 – आधुनिक साहित्य – आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी

11 – साहित्येतिहास–दर्शन और हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक प्रक्रिया – डॉ0 हरिश्चन्द्र मिश्र

12 – हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोट :– इस प्रश्न–पत्र में कुल तीन वैकल्पिक प्रश्न पत्र होंगे। किसी एक प्रश्न पत्र का चयन विभागाध्यक्ष की अनुमति से करना होगा।

(क) लोक साहित्य

(ख) प्रयोजन मूलक हिन्दी

(ग) लघुशोध प्रबन्ध

(क) लोक साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक – 100**

अंक विभाजन	खण्ड क–	अति लघुत्तरीय प्रश्न	(10×2=20)
	खण्ड ख–	लघु उत्तरीय प्रश्न	(5×10=50)
	खण्ड ग–	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	(2×15=30)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक – 100**

खण्ड – क

पाठ्य विषय :–

लोक साहित्य की परिभाषा तथा विशेषतायें, लोकवार्ता तथा लोकतत्व, लोकसंस्कृति की अवधारणा, आदि कालीन, मध्य कालीन और आधुनिक साहित्य में लोकतत्व। भारत में लोक साहित्य की परम्परा, लोक साहित्य के प्रमुख संग्रहकर्ता तथा अनुसन्धान कार्य। लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध। लोकसाहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, कठिनाइयाँ एवं लोक साहित्य संग्रह कर्ता के उपादान।

लोक साहित्य का वर्गीकरण – लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक नाट्य, लोक सुभाषित। लोकगीतों का महत्व, प्रकार एवं विशेषतायें। लोकगाथा की विशेषता, उत्पत्ति का सिद्धान्त एवं लोकगाथाओं का वर्गीकरण। **प्रमुख लोकगाथायें –** ढोला मारू, भरथरी, हीर–रांझा, सोहनी–महीवाल। लोककथाओं की विशेषतायें, वर्गीकरण एंव लोककथा सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली–फेयरी, फेयरी टेल, लीजेन्ड, मिथ, मोरिफ। लोकनाटकों की परम्परा और विशेषतायें, लोकनाट्य के विविध रूप–राम लीला, रास लीला विदेसिया, तमाशा, स्वांग, यक्षगान, नौटंकी, गम्भीरा। लोकसुभाषित–लोकोक्तियां, मुहावरे और

पहेलियाँ। लोकोक्तियों के रचयिता–घाघ, भड्डरी, लाल बुझक्कड़। हिन्दी भाषा एवं साहित्य में लोक साहित्य का योगदान, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।

खण्ड – ख

भोजपुरी साहित्य की विशेषतायें, भोजपुरी क्षेत्र और आंचलिक संस्कृति, भोजपुरी साहित्य में भौगोलिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना। भोजपुरी लोकगीत और उसके प्रकार, भोजपुरी नाटक–विदेसिया और अन्य नाट्य रूपों का अध्ययन। भोजपुरी लोककथाओं और लोक गाथाओं का अध्ययन। समकालीन भोजपुरी साहित्य और प्रमुख साहित्कार, महत्व और उपयोगिता।

सहायक ग्रन्थ–

1 – लोक साहित्य की भूमिका – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2 – भारतीय लोक साहित्य – डॉ0 श्याम परमार
3 – लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ0 कुन्दन लाल उपरेती
4 – भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
5 – लोकसाहित्य की रूपरेखा – डॉ0 सत्यनारायण 'शरतेन्दु'
6 – भोजपुरी साहित्य प्रगति की पहचान – डॉ0 विवेकी राय
7 – लोक साहित्य के सिद्धान्त और भोजपुरी लेखन – डॉ0 आद्या प्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रयोजन मूलक हिन्दी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक – 100**

अंक विभाजन	खण्ड क–	अति लघुत्तरीय प्रश्न	(10×2=20)
	खण्ड ख–	लघु उत्तरीय प्रश्न	(5×10=50)
	खण्ड ग–	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	(2×15=30)

पाठ्य विषय :– प्रयोजन मूलक हिन्दी – परिभाषा, क्षेत्र, महत्व। प्रयोजन मूलक हिन्दी की अवधारणा और दिशायें, संवैधानिक स्थिति। **हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियाँ**–हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, मानक हिन्दी की अवधारणा, हिन्दी का मानकीकरण। प्रयोजन मूलक **हिन्दी के प्रमुख आयाम**–ज्ञान साहित्य की हिन्दी, कार्यालयीय हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, व्यावहारिक हिन्दी, संचार माध्यम–आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र, इण्टरनेट की हिन्दी, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्यौगिकी की हिन्दी। **हिन्दी भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना** – वार्ता क्षेत्र, वार्ता प्रकार शैली के आधार पर हिन्दी के प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र। भाषा

व्यवहार–शासकीय एवं व्यवसायिक, पत्राचार के प्रकार–मूल पत्र, जबावी पत्र, स्मृति पत्र, अर्धशासकीय पत्र, ज्ञापन पत्र, परिपत्र, आदेशपत्र, पृष्ठांकन एवं अन्तर्विभागीय टिप्पणी, निविदा सूचना, पद रिक्ति विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति एवं रिपोर्ट बैकों के कार्य सम्पादन सम्बन्धी पत्र, वाणिज्य एवं व्यावसायिक पत्रों की शब्दावली। पत्रकारिता अभिप्राय एवं महत्व, वर्तमान परिदृश्य, सम्पादकीय, समाचार लेखन, शीर्षकीकरण एवं पृष्ठविन्यास। हिन्दी के पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ। अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया एवं सीमायें एवं महत्व।

सहायक ग्रन्थ–

1	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धान्त एवं व्यवहार	– रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना और अनुप्रयोग	– डॉ0 रामप्रकाश एवं डॉ0 दिनेशगुप्त
3	–	प्रयोजन मूलक या कामकाजी हिन्दी	– कैलाश चन्द्र भाटिया
4	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
5	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– डॉ0 वशिष्ट अनूप
6	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका	– डॉ0 माधव सोनटक्के
7	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8	–	राजभाषा हिन्दी	– कैलाश चन्द्र भाटिया
9	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– डॉ0 सर्वेश पाण्डेय
10	–	हिन्दी भाषा का प्रयोजन मूलक स्वरूप	– डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
11	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित एवं डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
12	–	प्रयोजन मूलक हिन्दी	– विजय पाल सिंह

(ग)

लघु शोध प्रबन्ध

नोट :– एम0ए0 प्रथम वर्ष (हिन्दी) में 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र विभागाध्यक्ष/संयोजक की अनुमति से ले सकेंगे।

एम0ए0 द्वितीय वर्ष हिन्दी पंचम प्रश्न–पत्र

मौखिकी परीक्षा **पूर्णांक** – 100

30.8.2018

डॉ0 सरोज सिंह
संयोजक
हिन्दी पाठ्यक्रम/शोध उपाधि समिति
(हिन्दी)
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,
जौनपुर